University of Rajasthan
Jaipur

SYLLABUS

B.P.A. III & IV Semester

Multidisciplinary Elective Course (MEC)

Examination- 2025-26

Prof. Vandana Kalla)
Convener
Board Of Studies 'Music'
University of Rajasthan
Jaipur

Dy. Registrar
(Academic)
University of Rajasthan
JAIPUR

Third Semester
Multidisciplinary Elective Course - 2025-2026

Paper:- Elementary knowledge of Indian Music **Max.Marks-50**

Practical **Min. Marks-20**

- Study of the following Ragas: yaman, Bhairav, Bhupali
- Knowledge of Aroh, Avroh, pakad in Ragas prescribed in the syllabus.
- To Sing one sargam and one lakshan geet in any Rag of the syllabus.
- To sing fast khayal in all ragas prescribed in the syllabus with two Alaps and Two Tans.
- Singing and playing of national anthem with Harmonium.
- To sing one light music composition (Geet/Gazal/Bhajan/Filmi songs) based on ragas prescribed in the syllabus.
- Knowledge of the following Talas with Thah and Dugun: Kaharwa, Teental, Ektal, Dadra.

Theory **Max. Marks-50**

Min. Marks-20

Unit-I

- Definitions: Naad, Swara, Shruti, Varna, Alankar, Taan Saptak, Purvanga, Uttaranga, Laya–Vilambit, Madhya and Drut Matra, Sum,Tali, Khali, Bhari, Avartan, kan-swara, meend, gamak.
- Fundamental of basic rules regarding Hindustani music.

Unit-II

- Comparative Study of the ragas and Talas as prescribed in practical syllabus.

Unit-III

- Notation Writing of Composition with Alap and Tanas.
- Writing Laykaris of prescribed Talas-Thah,Dugun.

Unit-IV

- Knowledge of various types of classical, semi classical, light, folk music.

Dy. Registrar
(Academic)
University of Rajasthan
JAIPUR

Third Semester
Multidisciplinary Elective Course - 2025-2026

प्रश्न–पत्र :– भारतीय संगीत का प्रारंभिक ज्ञान

प्रायोगिकप्रश्न–पत्र

अधिकतम अंक-50
न्यूनतम अंक-20

- निम्नलिखित रागों का अध्ययन: यमन, भैरव, भूपाली
- पाठ्यक्रम के रागों में आरोह, अवरोह, पकड़ का ज्ञान।
- पाठ्यक्रम के किसी भी राग में एक सरगम और एक लक्षण गीत का गायन।
- पाठ्यक्रम के सभी रागों में दो अलाप और दो तान के साथ द्रुत ख्याल का गायन।
- हारमोनियम पर राष्ट्रगान का वादन और गायन.
- पाठ्यक्रम के किसी भी राग पर आधारित एक सुगम संगीत रचना (गीत/गज़ल/भजन/फिल्मी गीत) का गायन।
- ठाह और दुगुन के साथ निम्नलिखित तालों का ज्ञान :– कहरवा, तीनताल, एकताल, दादरा।

सैद्धान्तिक प्रश्न–पत्र

अधिकतम अंक-50
न्यूनतम अंक-20

इकाई–प्रथम

- परिभाषाएँ: नाद, स्वर, श्रुति, वर्ण, अलंकार, तान सप्तक, पूर्वांग, उत्तरांग, लय, विलंबित, मध्य और द्रुत, मात्रा, सम, ताली, खाली, भरी, आवर्तन, कण-स्वर, मींड, गमक।
- हिंदुस्तानी संगीत के संबंध में बुनियादी नियम।

इकाई–द्वितीय

- व्यावहारिक पाठ्यक्रम में निर्धारित रागों एवं तालों का तुलनात्मक अध्ययन।

इकाई–तृतीय

- अलाप और तानों के साथ स्वरलिपि लेखन।
- पाठ्यक्रम में निर्धारित तालों की लयकारी लिखना– ठाह,दुगुन

इकाई–चतुर्थ

- विभिन्न प्रकार के शास्त्रीय, अर्ध शास्त्रीय, सुगम, लोक संगीत की जानकारी।

Dy. Registrar
(Academic)
University of Rajasthan
JAIPUR

Fourth Semester

Multidisciplinary Elective Course -2025-2026

Paper :- Elementary knowledge of Indian Music

(Practical) **Max.Marks-50**
Min. Marks-20

- Study of the following Ragas: Kafi, Bhimpalasi Durga.
- Knowledge of singing of five Alankars in each rag prescribed in the syllabus.
- To sing one sargam and one lakshan geet in any Rag of the syllabus.
- To sing one slow khayal in any rag and one fast khayal in each rag with Four Alaps and Four Tans in Ragas prescribed in the syllabus.
- To sing one Dhrupad in any Rag of the syllabus.
- To Sing and play the Vande Matram (National song) with Harmonium.
- To sing one light music composition (Geet/Gazal/Bhajan/Filmi song) based on prescribed Ragas of the syllabus.
- Knowledge of the following Talas with Thah,Dugun,Tigun:- Chautal, Tilwada, Roopak.

Theory **Max. Marks-50**
Mini.Marks-20

Unit-I

- Brief Study of Raga, Thaat, Raga-jati, Vadi, Samvadi, Anuvadi, Vivadi.

Unit-II

- Knowledge of development and structure of Tabla.
- Comparative Study of the ragas and Taalas as prescribed in practical syllabus.

Unit-III

- Notation Writing of Composition with Alap and Tanas.
- Writing Laykaris of prescribed Talas- Thaah, Chaugun.

Unit-IV

- Elementary knowledge of Indian Music Instruments.

Dy. Registrar
(Academic)
University of Rajasthan
JAIPUR

Fourth Semester
Multidisciplinary Elective Course -2025-2026

प्रश्न–पत्र :– भारतीय संगीत का प्रारंभिक ज्ञान अधिकतम अंक-50

प्रायोगिक प्रश्न–पत्र न्यूनतम. अंक-20

• निम्नलिखित रागों का अध्ययन: काफ़ी, भीमपलासी दुर्गा।

• पाठ्यक्रम में निर्धारित रागों में प्रत्येक में पाँच अलंकार गाने का ज्ञान।

• पाठ्यक्रम के किसी भी राग में एक सरगम और एक लक्षण गीत का गायन।

• पाठ्यक्रम के निर्धारित रागों में चार अलाप और चार तान के साथ किसी भी एक राग में विलंबित ख्याल तथा प्रत्येक राग में एक द्रुत ख्याल का गायन।

• पाठ्यक्रम के किसी भी राग में एक ध्रुपद का गायन।

• वंदे मातरम् (राष्ट्रीय गीत) को हारमोनियम के साथ गाना और बजाना।

• पाठ्यक्रम के निर्धारित रागों पर आधारित एक सुगम संगीत रचना (गीत/गज़ल/भजन/फिल्मी गीत) का गायन।

• ठाह, दुगुन, तिगुन के साथ निम्नलिखित तालों का ज्ञानः– चौताल,तिलवाड़ा, रूपक।

सैद्धान्तिक प्रश्न–पत्र अधिकतम अंक-50

न्यूनतम अंक-20

इकाई–प्रथम

• राग, ठाट, राग-जाति, वादी, संवादी, अनुवादी, विवादी का संक्षिप्त अध्ययन।

इकाई–द्वितीय

• तबले के विकास एवं संरचना का ज्ञान।

• प्रायोगिक पाठ्यक्रम में निर्धारित रागों एवं तालों का तुलनात्मक अध्ययन।

इकाई–तृतीय

• अलाप और तानों के साथ बंदिश की स्वरलिपि लेखन।

• पाठ्यक्रम में निर्धारित तालों की लयकारी लिखना–ठाह, चौगुन

इकाई–चतुर्थ

• भारतीय संगीत वाद्ययंत्रों का प्रारंभिक ज्ञान।

Dy. Registrar
(Academic)
University of Rajasthan
JAIPUR